Voices from community

केस स्टडी - कला बाई
स्थान - अमरा पहाड़

मैं श्रीमती कमला बाई बाथम अमरा पहाड़ की निवासी हूँ । हमारे घर 'ाौचालय नहीं था हम 'ाौच के लिये पहाड़ पर जाते थे जिससे रात के समय काफी परेशानी होती थी फिर संभव संस्था के लोग यहां पर आये और बताया कि 'ाौचालय न होने से कितनी परेशानी होती है और हम लोगों को थोड़ा सामान दिया तब हम लोगों ने 'ाौचालय बनवा लिया जिससे हमारी परेशानी दूर हो गई । पहले हम अपने घर का कचरा इधर उधर फैक देते थे तब संभव संस्था के कार्यकर्ता ने हमको स्वच्छता के वि"ाय में बताया तब हमने कचरे के डिब्बे रख लिये जिससे घर से निकलने वाले कचरे को एक स्थान पर डाल देते हैं । हम संस्था की तरफ से त्रिची गये हम लोगों ने देखा कि समूह के माध्यम से सामुदायिक 'ाौचालय को चलाया जा रहा था हम लोग भी अपने क्षेत्र में ऐसा ही कुछ करना चाहते हैं जिससे वहां के लोग भी हमारे यहां देखने आयें और मेरी सोच बदल गई । मैं अपने क्षेत्र की महिलाओं को समूह के वि"ाय में जानकारी देती हूँ एवं समूह के माध्यम से हम एक दूसरे की मदद कर सकें जिससे मुझे बहुत अच्छा लगता है हमारी एक समिति बनी है जिससे क्षेत्र में यदि कोई समस्या जैसे पानी कचरे, सीवर लाइन चौक होती है तो हम ज्ञापन के माध्यम से सही करते हैं ।

केस स्टडी - किशोरी बाई / छोटेलाल
स्थान - अमरा पहाड़

मैं श्रीमती किशोरी बाई अमरा पहाड़ की निवासी हूँ । हमारे घर में दो जवान लडकियॉ हैं हमारे घर में 'ाौचालय नहीं था । हम लोग 'ाौच के लिये सड़क किनारे जाते थे जिससे हम लोगों को कॉफी परेशानियों का सामना करना पडता था । फिर संभव संस्था के लोग हमारे क्षेत्र में आये और हम लोगों को स्वच्छता के वि"ाय में बताया । कि 'ाौचालय न होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है और हम लोगों को 'ाौचालय के लिये थोडा सामान दिया । तब हम लोगों ने 'ाौचालय बनवा लिया । जिससे हम लोगों की सारी परेशानी दूर हो गई । हम लोगों को संस्था कार्यकर्ता ने बचत समूह के वि"ाय में बताया तब हमने एक स्वयं सहायता समूह खोला । पहले हमको बैंक के वि"ाय में कोई जानकारी नहीं थी पर हम लोग अब बैंक में अपने पैसे जमा कर आते हैं पहले हम अपने घर के कचड़े को इधर उधर फैंक देते थे पर अब अपने घर में कचड़े के लिये एक डिब्बा रखा जिससे हम अपने घर के कचड़े को एक स्थान पर फैंक देते हैं अब हमारे जीवन में सुधार हुआ है समूह की मीटिंग में क्षेत्र की भी जानकारी मिलती रहती है पहले हम अपने घर नाली साफ करने के लिये स्वीपर का इंतजार करते थे पर अब हम स्वयं कर लेते हैं ।

केस स्टडी - कैलाश बाथम
स्थान - ढोली बुआ का पुल

मै कैलाश बाथम ढोली बुआ का पुल का निवासी हूँ । इस क्षेत्र में कई परिवारों के यहॉ 'ाौचालय नहीं थें । यहॉ के निवासी नाले के किनारे 'ाौच के लिये जाते थे जिससे बडी गंदगी होती थी । और गंदगी फैलने से कई प्रकार की बीमारियॉ होती थी । फिर एक दिन संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा सर्वे किया गया । सर्वे के पश्चात् 'ाौचालय निर्माण कराया । हम लोगों ने समिति बनाकर अन्य लोगों को 'ाौचालय बनाने के लिये सामान दिया । जिससे उन लोगों ने 'ाौचालयों का निर्माण कराया । जिससे क्षेत्र में होने वाली गंदगी कम हो गई । हमारी एक समिति है। जिसका एक लेटर हैड है जिस पर हम लोग क्षेत्र की समस्याओं के लिये ज्ञापन देते है। पहले हम लोगों को कोई जानकारी नहीं थी पर अब धीरे-धीरे जानकारी हो गई है। जब भी क्षेत्र में कोई समस्या आती है। तब हम मीटिंग करके ज्ञापन के माध्यम से उस समस्या का समधान कर लेते है। अतः हमारे क्षेत्र एवं जीवन में कॉफी सुधार हुआ है।

केस स्टडी - श्रीमती लीला/गणेश 'ााक्य

स्थान – ढोली बुआ का पुल

मै लीला 'ााक्य पहले हमारे यहॅा पर 'ाौचालय नहीं था इसलिये मै एवं मेरा परिवार 'ाौच के लिये नाले किनारे जाते थे । तब संस्था के कार्यकर्ता ने हमें खुले में 'ाौच जाने से होने वाली परेशानियों के वि"ाय में बताया तथा संस्था द्वारा हमें 'ाौचालय बनाने हेतु मदद के रूप में कुछ सामग्री दी जिससे हमने 'ाौचालय का निर्माण कराया । संस्था कार्यकर्ता द्वारा हमें स्वयं सहायता समूह के वि"ाय में जानकारी दी और हमने समूह बनाया । पहले हमें बैंक के वि"ाय में कोई जानकारी नहीं थी और न ही हम घर से बाहर निकलते थे । लेकिन जब से बैंक में समूह का खाता खोला है। हम लोग बैंक भी जाने लगें है। समूह बैठकों में हमें नई-नई जानकारी मिलती है। ये सब करके बहुत अच्छा लगने लगाा है। यदि एक दिन भी सफाई वाला हमारे क्षेत्र में नहीं आता हम सब मिलकर उसकी शिकायत कर देते है और निर्मल समिति का एक लेटर हैड है। जिससे क्षेत्र की कोई भी परेशानी आती है। हम ज्ञापन लिख देते है।

केस स्टडी– श्री रामनारायण मौर्य
स्थान – राजा गैस गोदाम

मेरा नाम रामनारायण मौर्य हैं । मै राजा गैस गोदाम का निवासी हूॅ पहले हमारे क्षेत्र में 'ाौचालयों की कॉफी कमी थी जिससे लोग 'ाौच के लिये खुले में बैठ जाते थे । जिससे क्षेत्र में कॉफी गन्दगी होती थी । फिर संभव संस्था के सदस्यों द्वारा सर्वे किया गया। जिन लोगों के यहॉ 'ाौचालय नहीं थे उनको थोडा समान देकर 'ाौचालय बनवाये थे में एक मजदूर था मुझे संस्था के कार्यकर्ता ने समझाया कि इस क्षेत्र में समिति का गठन किया जा रहा है। उसमें अपना नाम लिखा दो फिर समिति के वि"ाय में बताया पहले हम यदि क्षेत्र में पानी की समस्या आती थी तो हम लोग अधिकारी के पास जाते थे तो कोई सुनवायी नहीं होती थी पर संस्था के माध्यम से हमें एक लेटर हेड मिला है। जिससे क्षेत्र में कोई भी समस्या आती थी हम लोग एक बैठक में उस ज्ञापन को लिखते है। उसे अधिकारी के पास ले जातें हैं और हमारे क्षेत्र की जो भी समस्या जल्दी से जल्दी पूरी होने की कोशिश की जाती है। पहले मुझे कोई जानकारी नहीं थी पर आज धीरे-धीरे मुझे बहुत जानकारी हो गयी हैं । और मेरे जीवन में भी काफी सुधार हुआ है।

केस स्टडी– श्रीमती बॉबी गोडियाल
स्थान – राजागैस गोदाम

मेरा नाम श्रीमती बॉबी गोडियाल है में राजागैस गोदाम पर २० व"ाों से रह रही हूॅ १० व"ा पहले मेरे पति का निधन हो गया मेरे दो बेटे तथा एक बेटी है हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति वहुत खराब थी हमारे घर 'ाौचालय नहीं था हम लोगों को 'ाौच के लिये बाहर मैदान में जाना पड़ता था हमें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था फिर संभव संस्था के लोग आये फिर उन्होंने हमारे घर पर 'ाौचालय बनवाया जिससे हमें सुविधा हो गयी । संस्था के कार्यकर्ताओं ने हमें स्वयं सहायता समूह के वि"ाय में जानकारी दी फिर हमने अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये एक समूह खोला जिसमें हमारी थोड़ी बचत होने लगी ।

केस स्टडी– श्रीमती नगीना बाई
स्थान – न्यू मेहरा कॉलोनी

श्रीमती नगीना बाई मलिन बस्ती पर्यावरण स्वच्छता अभियान के पहले हम बहुत ही परेशानियों भरा जीवन व्यतीत करते थे हमें पीने के लिये स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं होता था एवं 'ाौचालय की तो बहुत ज्यादा परेशानी होती थी जहां हम 'ाौच के लिये जाते थे वहां पर लोगों का आना जाना बना रहता था जिस कारण हमें कई बार खड़ा होना पड़ता था एवं सरबात के दिनों में तो इनती परेशानी होती थी कि हम 'ाौच के लिये जाते थे तो फिसलने का डर तो रहता था ही साथ में सॉप, बिच्छू आदि के काटने का डर लगा रहता था एवं घर में बड़ी लड़कियां होने के कारण 'ाौच के लिये उन्हें साथ लेकर जाना पड़ता था इसलिये हमें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था और पानी न होने के कारण कई बार हमारे बच्चों की स्कूल की नागा हो जाती थी आधा समय हमारा पानी भरने में गुजर

जाता था कई बार हमारे पति को कई बार काम से नागा करके पानी भरना पड़ता था और हम एक तरह से कीड़े कमोड़े की जिंदगी जी रहे थे ।

बदलाव :
संभव संस्था के आने से हमारी जिंदगी में काफी बदलाव आया है हम एक तरह से कीचड़ से उठकर बाहर आये हैं अब हमें किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं है हमें पानी की भी बहुत अच्छी सुविधा मिल गई एवं हमारे घर में 'ाौचालय भी बन गया है और कचड़े की व्यवस्था भी हो गई है और हम अब इधर उधर कचड़ा भी नहीं डालते और हमेशा हाथ धोकर खाना बनाते है और खाते हैं अब हमारे जीवन में काफी बदलाव आया है ।

केस स्टडी- श्रीमती विद्‌या बाई
स्थान - हुरावली

मेरा नाम श्रीमती विद्‌या बाई है। मेरी उम्र ५० व"ाॅ है। मेरे पॉच बेटे एवं बहु है। मै बहुत बीमार रहती थी । जब संभव संस्था का कार्य हमारे क्षेत्र में नहीं चल रहा था । तब बीमारी तो थी ही साथ ही मेरे घर में 'ाौचालय नहीं था । मुझे दस्त या बुखार हो जाता तो मुझे अधिक परेशानी आती थी अकेली बिस्तर पर पडी रहती थी क्योकि मेरी बहू मुझे नहीं पूछती थी कि मॉ आपको क्या हुआ है। तब संभव संस्था कि कार्यकर्ता ने मुझे बुखार की हालत में देखा तो बहुत दुखी हुई तब उन्होने देखा कि मेरे घर पर 'ाौचालय नहीं है। मैने कहा नहीं हैं तो उन्होंने मुझे 'ाौचालय निर्माण के लिये कुछ सामग्री दी और मेरा 'ाौचालय निर्माण कराया । जिससे मुझे 'ाौच के लिये बाहर नहीं जाना पड़ता । मेरे घर में 'ाौचालय की सुविधा हो गई । एवं उन्होंने मुझसे कहा कि जब भी आपको दस्त लगे तो ओ.आर.एस. का घोल पिलाया करें तो मैने कहा कि मुझे घोल बनाना नहीं आता तब उन्होंने मुझे नमक चीनी का घोल बनाना बताया । अब परिवार में यदि किसी को दस्त होते हैं तो में स्वयं घोल बनाती हूँ एवं औरों को भी बनाना सिखाती हूँ ।

केस स्टडी- कमलेश देवी
स्थान - हुरावली

मै कमलेश देवी हुरावली में निवास करती हूँ । संभव संस्था के कार्यकर्ता के आने से पहले में स्वयं बडी परेशान थी मेरे घर में 'ाौचालय नहीं था । लेकिन यहॉ पर जब संभव के कार्यकर्ता आये उन्होने हमें साफ-सफाई के वि"ाय में बताया कि अगर हम साफ-सफाई से रहे तो हम कई बीमारियों सें बच सकते हे। तब मैने अपने घर में साफ-सफाई का माहौल बनाया एवं पानी साफ तरीके से भरना 'ाुरू किया । एवं छानकर और ढककर रखा जिससे हम कई बीमारियों से बच सके एवं समय-समय पर अपनी नाली साफ रखते है। संस्था द्वारा हमें 'ाौचालय निर्माण के लिये सामान दिया गया जिससे अब हमारे घर में 'ाौचालय है । घर में 'ाौचालय होनें से हमें अब खुले में 'ाौच जाने की समस्या का सामना नहीं करना पडता ।